SM – 161

# IV Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, May/June 2018
## (CBCS) (Repeaters) (Semester Scheme) (2015 – 16 Only)
## LANGUAGE HINDI – IV
## Khandakavya, Nibandh Aur Anuvad

Time : 3 Hours | Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : (1×10=10)

1) मतंग ऋषि संध्या समय शिष्यों को क्या सुनाते थे ?

2) मतंग ऋषि ने अपनी कुटिया कहाँ बनायी थी ?

3) आश्रमवासियों को कौन सताते थे ?

4) भगवान की मूर्ति के सामने बैठकर शबरी क्या करती थी ?

5) ऋषि मुनियों के आश्रम कहाँ थे ?

6) शबरी आश्रम में आते-जाते क्या सुनती थी ?

7) कौनसी जाति रेवा से कावेरी तक फैली हुई थी ?

8) शबरी को पेड़ का पत्ता किसके समान लगता था ?

9) 'शबरी' खण्डकाव्य के कवि कौन है ?

10) आर्य जनों की रक्षा करनेवाले कौन थे ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (2×7=14)

1) 'मैं तुझे सौंपता गौशाला
पालन करना आश्रम जीवन
हरि से है कोई नहीं बडा
प्रभु नाम-जाप ही आराधन।'

2) कब दीप शेष हो जाता
वह कब बेसुध हो जाती
कब आँसू झरने लगते
कब हिचकी सी बँध जाती।

P.T.O.

3) क्या धर्म-तत्व से ऊँची
है वर्णाश्रम मर्यादा ?
तब व्यर्थ तपस्या-पूजन
यह गंगा भी है शूद्रा।

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(1×16=16)**

1) 'शबरी' खण्डकाव्य का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2) 'शबरी' खण्डकाव्य के आधार पर शबरी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : **(2×5=10)**

1) पम्पासर

2) शबरी और मतंग ऋषि संवाद

3) शबरी का गृहत्याग.

V. निम्नलिखित में से किसी **एक** का परिचय दीजिए : **(1×10=10)**

1) अब्दुल कलाम

2) सुभद्राकुमारी चौहान.

VI. **हिन्दी** में अनुवाद कीजिए : **10**

Food, clothing and shelter are primary necessities of life. We can go without clothes, but not without food. We know Gypsies wandering without shelter, but with robust health, because they eat well. We eat to live and not to eat. Therefore we pay any price for food.

ಆಹಾರ ಬಟ್ಟೆ ಮತ್ತು ವಸತಿ ಜೀವನದ ಪ್ರಾಥಮಿಕ ಅವಶ್ಯಕತೆಗಳು. ನಾವು ಬಟ್ಟೆಯಿಲ್ಲದೆ ಜೀವಿಸಬಹುದು ಆದರೆ ಊಟವಿಲ್ಲದೆ ಜೀವಿಸಲಾರೆವು. ಅಲೆಮಾರಿಗಳು ವಸತಿಯಿಲ್ಲದೆ ಅಲೆಯುವುದು ನಮಗೆ ಗೊತ್ತು. ಆದರೆ ಅವರು ಚೆನ್ನಾಗಿ ತಿನ್ನುವುದರಿಂದ ಗಟ್ಟಿಮುಟ್ಟಾಗಿರುತ್ತಾರೆ. ನಾವು ಬದುಕಲು ತಿನ್ನುತ್ತೇವೆಯೇ ಹೊರತು ತಿನ್ನಲು ಬದುಕುವುದಿಲ್ಲ. ಹಾಗಾಗಿ ಆಹಾರಕ್ಕಾಗಿ ಎಷ್ಟಾದರೂ ಬೆಲೆ ತೆರಲು ಸಿದ್ಧರಿದ್ದೇವೆ.

---